चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	5-4-25	02	3-5

The Tribune

Officials of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University and the Bureau of Indian Standards sign an MoU.

Agri varsity signs MoU with Bureau of Indian Standards

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 4

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU) has signed a memorandum of understanding with the Bureau of Indian Standards (BIS) with the objective of promoting harmonisation, standardisation, conformity, evaluation and quality of goods, articles, processes, systems and services.

The MoU was signed by representatives of the two bodies in the presence of Vice-Chancellor BR Kamboj and Deputy Director General (North) Sneh Lata of the Bureau of Indian Standards.

Dean, College of Agricultural Engineering and Technology, SK Pahuja signed the MoU. The VC said the pact was an important step for agriculture and industry.

"This agreement will strengthen mutual cooperation between the two institutions, and will play an important role in promoting high quality standards in the country," he said.

Under the agreement, research and development projects related to standardisation and conformity assessment would be promoted, he added. Lata said seminars, workshops and training programmes would be held under the pact.

The work under the agreement would be accelerated by establishing Centres of Excellence in the field of conformity assessment and establishing coordination between scientists and experts of the university, she added, stating that BIS would draft an action plan to use the facilities provided in the university laboratory for conformity assessment schemes.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-4-25	04	1-5

कृषि जगत में मानकीकरण को मिलेगा बढ़ावा : प्रो . काम्बोज

- हकृवि व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौते पर किए हस्ताक्षर
- किसानों को नवीन तकनीकों के बारे में किया जा सकेगा प्रशिक्षित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआइएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नार्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता. डा. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ • पीआरओ

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फार्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके।

इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डा. के रमेश, डा. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव, डा. रेणू मुंजाल, आइपीआर सेल के प्रभारी डा. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य व डा. अनुराग उपस्थित रहे।

दोनों संस्थानों के बीच होगा ज्ञान का आदान-प्रदान

डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुरूपता मूल्यांकन योजनाओं के लिए विवि की प्रयोगशाला में प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने की कार्य योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5-4-25	04	7-8

हकृवि व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

हिसार, 4 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड, बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	5-4-25	11	6-8

एचएयू और बीआईएस में करार

■ समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेहलता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-4-25	05	1-4

कृषि जगत में मानकीकरण को मिलेगा बढ़ावा : प्रो. काम्बोज

हिसार, 4 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फॉर्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एमओयू अधिकारियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-4-25	03	06

हकृवि व भारतीय मानक ब्यूरो बीआईएस के बीच समझौता

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता वस्तुओं, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के मानकीकरण, अनुरूपता मूल्यांकन और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की मौजूदगी में बीआईएस की डिप्टी डायरेक्टर जनरल नॉर्थ स्नेहलता और कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। प्रो. बीआर काम्बोज ने इसे कृषि और उद्योग जगत के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता कृषि उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों को नई ऊंचाई देगा। दोनों संस्थानों के बीच सहयोग मजबूत होगा। देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फॉर्म बनाए जाएंगे। इनसे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक का प्रशिक्षण मिलेगा। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने कहा कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान होगा। अनुरूपता मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय से कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रयोगशालाओं में बीआईएस की योजनाओं के लिए सुविधाओं के उपयोग की कार्य योजना तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-4-25	03	7-8

कपास में गुलाबी सुंडी का असर साल 2024 में घटकर पहुंचा 26 प्रतिशत

हकृवि में गुलाबी सुण्डी के प्रबंधन हेतु प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग

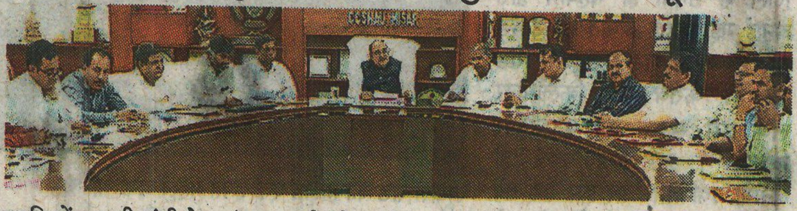

हकृवि में गुलाबी सुंडी के प्रबंधन पर प्री सीजन रिव्यू मीटिंग में उपस्थित प्रो. बीआर काम्बोज।

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लैचर भवन में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप और प्रबंधन पर प्री-सीजन रिव्यू मीटिंग हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। इसमें हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारी, बीज कंपनियों के प्रतिनिधि और प्रगतिशील किसान शामिल हुए। सभी ने कपास की फसल की स्थिति पर चर्चा कर रणनीति बनाई।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा पिछले साल सभी के सहयोग से गुलाबी सुंडी से कपास की फसल को बचाने में सफलता मिली। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में गुलाबी सुंडी का प्रकोप 76 प्रतिशत था, जो 2024 में घटकर 26 प्रतिशत रह गया। वैज्ञानिकों द्वारा समय-समय पर जारी की गई संयुक्त एडवाइजरी से यह संभव हुआ। इस वर्ष भी एडवाइजरी को ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचाने के प्रयास होंगे। कुलपति ने किसानों से कहा कि नरमे की बन्छटियों को खेत में न रखें। अगर रखी हैं तो बिजाई से पहले इन्हें अच्छी तरह झाड़कर दूसरी जगह रखें। अधखिले टिण्डों और सूखे कचरे को नष्ट करें ताकि सुंडी को रोका जा सके।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक कपास डॉ. आरपी सिहाग ने बताया कि विभाग खेतों में सुंडी के प्रकोप की निगरानी के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-4-25	02	3-5

गुलाबी सुंडी का प्रकोप 76 से 26 फीसदी पर आया, शून्य ले जाना लक्ष्य : कांबोज

एचएयू के कुलपति बोले-गुलाबी सुंडी प्रबंधन के लिए अप्रैल से ही शुरू करेंगे काम

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रकोप एवं प्रबंधन विषय पर हितधारकों की प्री-सीजन रिव्यू बैठक कुलपति प्रो. बीआर कांबोज की अध्यक्षता में हुई।

प्रो. कांबोज ने कहा कि गत वर्ष गुलाबी सुंडी के प्रकोप से कपास की फसल को बचाने में कामयाबी मिली। वर्ष 2023 के मुकाबले वर्ष 2024 में गुलाबी सुंडी का प्रकोप 76 प्रतिशत से घटकर 26 प्रतिशत रहा। हमें इसे शून्य की ओर ले जाने के लक्ष्य के साथ काम करना होगा।

बैठक में हरियाणा, पंजाब व राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधिकारियों, कपास से जुड़ी बीज कंपनियों, प्रगतिशील किसानों ने कपास की फसल की आगामी स्थिति पर मंत्रणा कर रणनीति तैयार की।

प्रो. कांबोज ने कहा कि वैज्ञानिकों की ओर से समय-समय पर दी गई संयुक्त एडवाइजरी से गुलाबी सुंडी नियंत्रण में मदद मिली। इस वर्ष एडवाइजरी को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के प्रयास किए जाएंगे। किसान नरमे की बन्छटियों को खेत में न रखें, अधखिले टिण्डों एवं सूखे कचरे को नष्ट कर दें।

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालय 15 दिन में रिपोर्ट साझा करेंगे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक (कपास) डॉ. आरपी सिहाग ने बताया कि नरमा फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप का निरीक्षण करने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना से डॉ. विजय कुमार, एसके राजस्थान एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बीकानेर से डॉ. एनके शर्मा, कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया से बृजेश कसना, सीआईसीआर सिरसा से डॉ. ऋषि कुमार, हरियाणा के कपास उत्पादक जिलों के डिप्टी डायरेक्टर ऑफ एग्रीकल्चर ने अपने सुझाव दिए।

बैठक में राशि सीड्स, अंकुर सीड्स, अजीत सीड्स, बायों सीड्स व रैलीस सीड्स के प्रतिनिधियों ने सुझाव दिए। मंच संचालन डॉ. अनिल वत्स ने किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.04.25	--	--

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टेंडर्ड, बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

प्रो. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यज	04.04.25	--	--

हकृवि व भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखों, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्य पूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महा विद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते के तहत मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फॉर्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके। डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुरूपता मूल्यांकन योजनाओं के लिए विश्व विद्यालय की प्रयोगशाला में प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने की कार्य योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणू मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यज	04.04.25	--	--

हकृवि और भारतीय मानक ब्यूरो ने समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने भारतीय मानक ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड, बीआईएस) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। यह समझौता भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वस्तुओं, लेखो, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और सेवाओं के सामंजस्यपूर्ण, मानकीकरण, अनुरूपता, मूल्यांकन व गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में भारतीय मानक ब्यूरो से डिप्टी डायरेक्टर जनरल (नॉर्थ) स्नेह लता ने जबकि विश्वविद्यालय से कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने हस्ताक्षर किए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस समझौते को कृषि और उद्योग जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया। यह एमओयू कृषि क्षेत्र में गुणवत्ता और कृषि उत्पादों को मानक प्रदान करने को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। यह समझौता दोनों संस्थाओं के बीच पारस्परिक सहयोग को मजबूत करेगा और देश में उच्च गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि समझौते के तहत मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रो. काम्बोज ने बताया कि कृषि क्षेत्र में मानकीकरण को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। मानकीकृत कृषि प्रदर्शन फार्म स्थापित किए जाएंगे, जिससे किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक पर प्रशिक्षित किया जा सके।

डिप्टी डायरेक्टर स्नेहलता ने बताया कि सेमिनार, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाएगा। अनुरूपता, मूल्यांकन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों के बीच समन्वय स्थापित करके समझौते के तहत कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुरूपता मूल्यांकन योजनाओं के लिए विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में प्रदत्त सुविधाओं का उपयोग करने की कार्य योजना का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो की तरफ से डॉ. के. रमेश, डॉ. नवीता यादव, विश्वविद्यालय से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव, डॉ. रेणु मुंजाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य व डॉ. अनुराग उपस्थित रहे।